हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

16 मार्च, 2000

खण्ड–1 अंक–8

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 16 मार्च, 2000

	पृश्ठ संख्या
अल्प सूचना प्र न एवं उत्तर	(8)1
वाक आउट	((8)4
ध्यानकर्शण प्रस्ताव की सूचना	(8)6
ध्यानकर्शण प्रस्ताव–	
पलवल भाहर मे पीने के पानी में सीवरेज का मिलाकर आने संबधी	(8)6
स्थगन प्रस्ताव सूचना	(8)9
वाक आउट	(8)10
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(8)10
निमय 16 के अधीन प्रस्ताव	(8)11
सदन की मेज पर रखे गऐ कागज पत्र	(8)11
विधान–कार्य	
1. दि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (नं0 1) बिल, 2000	(8)12

2. दि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (नं0 2), बिल, 2000	(8)14
3. दि हरियाणा पंचायती राज (अमैंडमैट), बिल, 2000	(8)16
4. दि हरियाणा म्यूनिसिपल कारपोरे ान (अमैंडमैट), बिल, 2000	(8)18
5. दि हरियाणा म्यूनिसिपल (अमैंडमैट), बिल, 2000	(8)20
6. दि पंजाब आयुर्वेदिक एंड प्रैक्टी ानर्ज (हरियाणा अमैंडमैंट एण्ड वैलीडे ान), बिल, 2000	(8)21
7. दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (अमैंडमैट), बिल, 2000	(8)23
8. दि इंडियन स्टैम्प (हरियाणाअमैंडमैंट), बिल, 2000	(8)25
धन्यवाद देना	(8)28

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 16 मार्च, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ मे प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

अल्प सूचना प्र न एवम् उत्तर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज अब प्र न पूछे जाएंगे।

Setting up of 133 K.V. Sub station at Ellenabad

1. Sh. Bhagi Ram: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) The date on which the foundation stone of setting up 133KV sub Station was laid down at Ellenbad; and

(b) The time by which the aforsaid sub station is likely to start functioning?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला):

(क) 132 के0वी उपकेन्द्र ऐलनाबाद की आधारि ाला दिनांक 21.01.1991 को रेखी गई थी।

(ख) वित्तीय प्रबन्ध हो जाने के बाद सामन्यता ाएक नये 132 के0वी0 ग्रिड उपकेन्द के निर्माण कार्य में 18–24 महीन

का समय लगता है। ह आ ाा की जाती है कि इस कार्य के लिए धन के प्रबन्ध की पुश्टि अगले 4–5 महीने में कर ली जाएगी।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी को पता है कि सब स्टे ान की आधारि ाला स्वयं इन्होने रखी थी और सन् 1991 में रखी गई थी। उसके बार से आज तक इस पर कोई कार्यवाही नही हुई है इसका क्या कारण है? क्या उसके बाद से लेकरक आज तक कोई 132 के0वी10 के सब स्टे ान और दूसरे सब–स्टे ांज मंजूर भी हुए है या बने है तो हमरे यहा जो सब–स्टे ान की आधारशीला रखी गई थी उसको बनने में इतनी देरी क्यों हुई इसका क्या कारण है?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै सम्मानित सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि 21.01.91 को इसकी आधारि ाला मैने ही मुख्य मंत्री के रूप में रखी थी। बाद में हमारी सरकार चली गई। उसके बाद जो सरकारों आई उन्होने दुर्भावना से सारे कमा बंद कर दिए थे। हम उन सब कामों को दोबारा से करेगे।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र में छायसा गावं में है वहां पर 3 प्रति ात ही बिल्डिंग का काम हुआ है। मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ये उसकस भी काम पूरा करवाएंगे?

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन में यह आ वासन दूंगा कि पिछली सरकार के जो खोदे हुए गड्ढे है। हम उनको भरेगे। उनको भरने में कुछ साल लगेगे। मै आपको यादा दिलाना चाहूंगा कि यह सरकार की जिम्मेवारी है कि हरियाणा में पर्याप्त मात्रा में बिजली दी जाए ओर इसके लिए हम पूरी बिजली देने की कोि ा ा करेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रघुबीर सिंह कादयान: अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में जहाजगढ़ में में ऐ 33 के0 वी0 का सब स्टे ान बनना था उसकेबारे में भी मुख्य मंत्री जी बता दें। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मै डा0 साहब की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि सरकार की सोच केवल एक ही है कि हरियाणा प्रदे ा के हर नागरिक को सारी सुविधाएं मिलें। सरकार हर सम्भव प्रयास करेगी कि वह सभी को पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध करवाए। इसमें समय तो जरूर लगेगा।

श्री रघुवीर सिंह कादयान: अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब नही आया।

श्री अध्यक्ष: डा0 साहब, मुख्य मंत्री जी ने जनरली बता दिया है कि पिछली सरकार के गड्ढों को भरने में थोड़ा समय लगेगा। अब आप बैठे। उन्होने इन जनरल कह दिया है। (विध्न)

श्री रघुवीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, हम लोगों केा अपने हल्के की बात तो कहीन ही पड़ेगी।

Contraction of Over-Bridge on Railway Line in Rewari City

2. Sh. Ajay Singh: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct over bright on Rewari-Jhajjar and Rewari-Narmaul roads across Delhi_Jaipur Railway line in Rewari City.

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): इस समय केवल रेवाड़ी–नारनौल ऊपरगामी पुल के निर्माण का प्रस्ताव सरकार के विचारधीन हैं जो कि बी0ओ0टी0 के आधार पर होना है। अध्यक्ष महोदय, मै सम्मानित सदस्य को यह वि वास भी दिलाना चाहूंगा कि वह बड़ा जरूरी पुल है ओर हम इसको प्राथमिकता के आधार पर ले रह हे। चूंकि सरकार की आर्थिक स्थिति ऐसीनही है कि वे अपने सोर्सिज से इस पुल को बना सकै, इसलिए बी0ओ0टी0 के माध्यम से हम बहुत जल्दी इस कार्य को सुचारू रूप से कराने के लिए सोच रहे हैं

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने अपने जवाब में यह कहा है कि रेवाड़ी–नारनौल ओवर ब्रिज के निर्माण का प्र स्ताव अंडर कंसीड्रे ान है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर खासतौर से जब से इंडियन ऑयल कोरपारे ान का प्लांट लगा और जबसे ड्राई पोर्ट बना है तब से वहां पर बहुत बड़े बड़े ट्रेलर्ज किनलते है। जिससे वहां पर लम्बी लम्बी कतारे लग जाती है।

खास तौर से रिवाड़ी झज्जर रोड पर जो रेलवे लाईन का क्रांसिग हैं वह बहुत महत्वपूर्ण क्रांसिग है। क्या इस पर भी ओवर ब्रिज बनाने पर सरकार विचार करेगी? अध्यक्ष महोदय, बजट के अंदर तो इस तरह कके पुल बनाने के लिए कोई पैसा नही रखा गया है। अगर यह काम बी0ओ0टी0 के तह नही हो कसता तो क्या सरकार इस काम को करवाने के लिए अपनी तरफ से अपना भोयर देगी ताकि यह काम पूरा हो सके।

श्री ओम प्रका ा चोटाला: अध्यक्ष महोदय, अजय सिंह को यह बताना चाहूंगा कि जिस दूसरे पुल का इन्होनं जिक्र किया है वहां अभी एक दूसरा बाईपास और बना रहे हैं पुरानी प्रपोजल पहले बाईपास कीथी लेकिन वहां पर दूसरा बाईपास बनेगा तो उसके बाद फासले का ध्यान में रखकर फिर निर्णय लिया जाएगा।

श्री भगवान सहाय रावत: मै आपके मध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि बी0ओ0टी0 के आधार पर ही सरकार ने फरीदाबाद में बाटा पुल बनाने की आधारि ाला रखी थी तो उब सरकार उसको कत तक पूरा करवाने का विचार रखती है?

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मै रावत साहब को यह जानकारी देना चाहूंगा कि इसी प्रकार से पानीपत में भी एक ओवर ब्रिज बननाहै। और फरीदाबार में भी बनना है लेकिन जैसा मैने पहले बताया कि पुराने गड्ढों को भरने में हमें समय लगेगा। सारे मामले को देखकर जैसा संभव हो पाएगा वैसे

ही बी0ओ0टी0 के तहत सारे पुल बनाए जाएंगे ताकि लोगों को आवागमन में दिक्कत न हो।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने बी0ओ0टी0 के द्वारा पुल बनाने के बारे में जिक्र किया हैं मै आपके द्वारा उनसे जानना चाहूंगा कि हरियाणा के अन्दर कितने पुल ऐस हैं जिनकों बी0ओ0टी0 के द्वारा बनवाने की ऐडमिनिस्ट्रेटिव ऐप्रूवल मिल गयी हैं औरयदि कुछ पुलों की ऐडमिनिस्ट्रेटिव ऐप्रूवल मिल गयी तोक्या उन के लिए टैडर्ज वगैरह आये है? अध्यक्ष होदय, ऐसा ही एक पुल पलवल–अलीगढ़ रोड़ पर भी बनना था क्या मुख्यमंत्री जी इसबारे में भी कोई जानकारी देगे?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, जिस पुल का जिक्र रावत साहब ने किया था वह तो अगस्त तक कंपलीट हो जाएगा। बाकी पुलों के निर्माण में अभी विचार विम र्ा चल रहा हैं और इनमें समय लगेगा। ये सब विचारधीन है कई और भी किस्म के पुल है।

Nikhri and Jeetpura Distributaries

6. Sh. Ajay Singh: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Nikhir distributaries extension and Jeetpura extension; and

(b) If so, the details thereof, together with the time by which the aforesaid proposal is likely to be implemented?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) निखरी डिस्ट्रीब्यूटरी का विस्तार 5.934 कि0मी0 तक तथा जीतपुरा डिस्ट्रीब्यूटरी का विस्तार 4.750 कि0मी0 से 7. 515 कि0मी0 तक किया जाना है जिनकी अनुमानित लागत क्रम ा 130 लाख व 52 लाक्ष यपये आंकी गई है। इन नहरों का निर्माण कार्य तीव्र सिंचाई लाभ प्रोग्राम के अर्न्तगत धनराशि की उपलब्दता होने पर 30.12.2000 तक पूराहोने की सम्भावना हैं

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी जानना चाहूंगा कि ये जो हमारी दोनों निखरी और जीतपुरा डिस्ट्रव्यूट्रीज थी ये कौन सी स्कीम के तहत और कब सैंक ान हुई थी? क्या ये अंडर आ0डी0आई0 स्कीम के तहत सैक ान हुई थीं इसे सैंक ान हुए कई वर्श हो गए है। इसके साथ की 60–70 करोड़ रूपये की स्कीम्ज सिरसा के इलाके में काम भी भ्ाुयहो गया हैं हमारे दक्षिणी हरियाणा में पानी की बेयरिंग कैपेंसिटी को बढ़ाने के लिए क्या इन स्कीमों पर काम भ्ाुरू करेगे और यदि करेगे तो कब तक करेगे?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैने माननीय सदस्य को तारीख भी तय करके बता दी कि दिसम्बर तक यह हो

जाएगों सरकार इसके लिए बचनबद्ध है। और ऐसे मामलों को हम प्राथमिकता प्रदान करेगे।

श्री कृश्ण लाल पंवारः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि 1977 में चौधरी देवी लाल जी की सरकार के समय में मेरे हल्के में मीटर माजरा फाल से जो ाी माइनर निकलती है। उसको पक्का करने के लिए चौधरी देवी लाल जी पैसा सैक ान करके गए थे ओर 1982 में चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने उसकों पकका तो कर दिया था लेकिन अउसका लैवल ऐसा बनाया कि जो ाी माइनर में आत तक पानी नहीआया। मुख्य मंत्री जी पिछले दिनों 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के अन्तर्गत वहां एग थे तो वहां के लोगों नें इस समस्या को मुख्य मंत्री जी के समक्ष रखा था। मै जानना चाहूंगा कि क्या उस जो ाी माइनर का लैवल ठीक करके उस माइनर में सुचारू रूप से पानी चलाने का कश्ट करेगे यदि हो तो कब तक?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः सरकार इसके लिए वचनबद्ध है कि पर्याप्त मात्रा में पानी दिया। ऐसे बहुत से मामले हमारे विचारधीन है। यदि सम्मानित सदस्य अलग से पूछेगे तो इस पटिकूलर मामले की जानकारी दे दी जाऐगी।

श्री रघुवीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में भंभेवा माइनर है। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, सम्मानित सदस्य एक एक माइनर के बारे में पूछेगे तो कैसे काम चलेगा? मै अपनी बात पुन दोहराकर इस सदन के सभी सम्मानित सदस्यों को यह वि वास दिलाना चाहूंगा कि इस प्रकार के जो जरूरी मामले है उन्हें सरकार प्राथमिकता के आधार पर लेकर पर्याप्त मात्रा में पानी और बिजली उपलब्ध करा सके ओर हरियाणा प्रदे ा को बाढ़मुक्त कर कसे और किसान को अनेक प्रकार की सुवधिाये मि सकें, की दि ाा में कार्य करेगी।

श्री रघुवरी सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी कस्टोडियन है हम आपसे अपेक्षा नही रखेगे तो किससे रखेगे।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाए। आपकायह सवाल मेन सवाल से रिलेटिड नही है। अब प्र न समाप्त हो गए है।

वाक आउट

श्री अजय सिंहः स्पीकर सर, मेरे सवाल का जवाब नही दिया गया है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठ जाइये, श्री करण सिंह दलाल का ध्यानकर्शण प्रस्ता है। उस पर चर्चा होने दें। (विध्न)

श्री रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मेरे तीन प्र न थे परन्तुउनका अच्छी तरह से जवाब नही दिया गया है।

श्री अध्यक्षः देखिए आपने जो प्र न पूछे थे, उनका संतोशजनक जवाब दे दिया गया हैं और प्र न समाप्त हो गए इसलिए प्र नकाल अब ज्यादा लम्बा नही चल सकता। आप कृपया बैठ जाइयें।

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक महत्वपूण्र प्रस्ताव हैं उस पर बहस होने चाहिए। मै अपनी बात कहना चाहता हूं ओर आप मुझे बोलने का समय नही दे रहे है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब बाप बैठ जाइये।

वित्त मंत्री (श्री संपत सिह): स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि प्र नकाल बहुत जरूरी होता हैं यह बात हम भी मानते है। लेकिन अगर कोई प्र न समय पर नही दे सके तो इसमें सरकारक्या करसकती हैं कमजोरी तो माननीय सदस्यों की खुद की है ओर कहते है कि हमारे प्र नों का जवाब नही दिया गया। सारे माननीय सदस्य पढ़ लिखे है, सीनियम भी है औरयह भी जानते है कि एक सदस्य का एक बार में दो प्र न से जयादा नही लग सकते है। अगर वे चाहत तो भाार्ट नोटिस मे ंप्र न दे सकते थे। अब जो प्र न दिएगये थे वे सब लग चुके हैं और उनका जवाब भी माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने संतोशजनक दे दिया हे। इस बात से स्पश्ट हो जाता है। कि इन माननीय सदस्यों को डैमोक्रेसी में कितना

बिलीफ हैं अगर जनता के प्रति सीरिसय होते तो भाार्ट नोटिस प्र न दे सकते थे।

श्री रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं (विध्न)

श्री अध्यक्षः कादयान साहब, जीरों आवर क दौरान कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नही होता।

श्री सम्पत सिहः स्पीकर सर, माननीय सदस्य लिखित रूप में तो कोई प्र न देते नही है ओर सदन में जबानी बात रकत`हैं बाद में प्वायट ऑफ आर्डर की बात करते है। जबकि इन्हें पता है कि जीरो आवर में कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नही होता।

श्री रघुबीर सिह कादयानः स्पीकर सर, मै मानता हूं कि माननीय वित्त मंत्री के सामने कुछ राजनीति मजबूरियों हैं ये इतने काबिल है कि कल बजट पर भी हमें बोलने का पांच मिनट से ज्यादा समय नही दिया गया।

श्री अध्यक्षः कादयान साहब आप बैठिएं

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात दुख के साथ कहनी पड़ रही है जब लीडर ऑफ दि हाउस किसी प्र न का जवाब दे तो उन्हें पूरी जानकारी होनी चाहिए। परन्हतु प्र नों का ठीक ढंग से जवाब नही दिया जा रहा है। मेरे माननयी सदन

के नेता से विनती है। कि वे सछसयों के प्र ानों को सही जवाब दें।

श्री रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर सर, हमारी बात नही सुनी जा रही है।

श्री अध्यक्षः आप सब एक साथ बोलोगे तेा बात कैसे सुनी जायेगी। एक–एक सदस्य को बोलना चाहिए। आप एक साथ दो–दो सदस्य बोल रहे है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से एक बात कहना चाहता हूं कि इनको प्रत्येक मैम्बर के प्र न का जवाब देना चाहिए और टाल–मटोल नही करनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष प्रत्येक प्र न पर 2–2, 3–3 सप्लीमैंटरी हो चुके है।

श्री रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहबा, हमें क्वै चन पूछने का पूरा अधिकार इसलिए आप हमें हमारे क्वै ान के जवाब सरकार से दिलावाए। (ाोर)

श्री अजय सिंहः स्पीकर साहब, हम अपने इलाके के लोगों की दुःख तकलीफ यहां हाउस में नही रख सकते तो हमारा यहां हाउस में बैइने काक्या फायदा है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कृपा करके सभी माननीय साथी अपनी–अपनी सीट पर बैठ जाए।

श्री रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहबा, यदि आप हमें अपने प्र न पूछने के लिए समय नही देते है तो हमारा यहां हाउस में बैठने का क्या फायदा हैं इसलिए में एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करता हूं।

(इस समय इंडियन नै ानल कांग्रेस पार्टी के माननीय सदस्य श्री रघुबरी सिंह कादयान सदन से चले गए।)

ध्यानकर्शण प्रस्ताव की सूचना

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, धारूहेड़ा में जो इण्डस्ट्रीज लगी है, वे वहां पौल्यू ान फैला रही हैं और उससे लोगों की आंखें खराब हो रही है। इस बारे में मेरा ध्यानकर्शण प्रस्ताव हैं उसके बारे मं आपने क्या फैसला किया है।

श्री अध्यक्ष वह डिस अलाउ कर दिया गया हैं कृपया आप बैठ जाएं।

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण मैंअर है। इसको इग्नोर क्यो किया जा रहा है।

श्री अध्यक्षः कृपया आप बैठ जाए।

ध्यानकर्शण प्रस्ताव

पलवल भाहर में पीने के पानी में सीवरेज का पानी मिल करआने संबंधी

Mr. Speaker: I have recievied a calling atttention notice from Sh. Karn Singh Dalal, regarding the mixing of sewerage water into drinking water in Palwal. I admit it, Sh. Karna Singh Dala, may read his notice. (Interruptions)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै अपनी कालिग अटै ानंज पढ़ने से पहले आपसे एक अर्ज करना चाहता हूं कि मैने आपकी सेवा में जो एडजर्नमैंट दिया हैं उसके बादे में आपने क्या फैसला दिया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अजय सिंहः स्पीकर साहब, आपकों मेरी कालिंग अटैं ान मो ान किस बिनाह पर डिस अलाउ किया है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः चौ० भजन लाल जी आपन अपनी पार्टी के सदस्यों को समझाएं कि वे इस तरह से भाोर मचाकर सदन का माहौल खराब न करे। जो आट भाॉर्ट नोटिस क्वै चन थे उनके बारे मं जिन–जिन माननीय सदस्यों ने सप्लीमैटरी पूछी उनका जवाब सराकर की तरफ से आ गया। जो श्री रघुबीर सिंह कादयान सवाल पूछना चाहत थे वे मेन सवाल से सम्बन्धित नही था।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि मैम्बर ने जो सवाल पूछा है। उसकस जवाब देना सरकार का दायित्व होता है। (विध्न) इस तरह से यह भाोर–शराबा नही होना चाहिए। हमारे कुछ मैम्बर भी नये अै और स्पीकर साहब, आप भी

नये है। लेकिन मुख्य मंत्री महोदय तो नये नहीहै जो सवाल मैम्ब्र ने पूछा है उसके बारे में उसे संतुश्ट तो करना चाहिए। सवाल का जवाब देना सरकार का दायित्व है।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी जिस भी मैम्बर ने सवाल पूछा थ उसका जवाब दे दिया गया है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सवाल–जवाब के लिए एक घंआ होता है। लेकिन आपने तो यह पहले ही समाप्त कर दिया। आप पालियामेंट में जाकर देखे, वहां पर एक सवाल का जवाब देने में ही एक घंआ लगा जाता हैं आप प्र न भी ज्यादा नही थे। सिर्फ तीन प्र न थे और एक घंटे का समय था। इसस प्र न के ऊपर 20–20 मिनट बहस होनी चाहिए थी ताकि मैम्बर संतुश्ट हो जाते है।(विध्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी भॉर्ट नोअिस के ऊपर प्र न लगाये थे। (विध्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, भॉर्ट नोटिस पर प्र न लगाने का मतलब यह नही होता कि समय ही न दिया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (श्री संपत सिंह): स्पीकर सर, विपक्ष के नेता ने अभी कहा कि तीन प्र न थे ओर एक प्र न के ऊपर 20–20 मिनट का समय देना चाहिए था। पालियामैंट में एक प्र न के जवाब में हदी एक घंटा लगा जाता है। इस बारे मं मै मै कहना

चाहूंकि इनकी बात ठीक है। लेकिन जो प्र न पूछ गये है वे किसी पटिकुलर माईनर , पर्टिकुलर सब स्टे ान या पर्टिकुलर ब्रिज के बारे थे। उनका जवाब दे दिया है। अगर ये प्र नपूरे हरियाणा से संबंधित होते तो सभी मैम्बर उस बारे में पूछते और हम जवाब देते, जैसा पहले होता आया है। जो आज प्र न लगे थे वे सभी ही किस पर्टिकुलर जगह के बोर में थे। जिनका मुख्य मंत्री महोदय ने जवाब दे दिया। इसलिए उनपर ज्यादासमय कैसे लगाते हैं स्पीकर सर, चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि कैप्टन साहब ने नये मैम्बर है। इस बारे में भी मै कहना चाहूंगा कि अगर इनका फौज का एक्सीरियंय न भी लगायेतो भी ये बहुतसीनियर है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने कैप्टन साहब के बारे नमें नही। बल्कि जो हमारी पार्टी के पहली बार विधायक बन आये है उनके बारेमें कहां है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री संपत सिंहः स्पीकर साहाब, उसके बाजवूद जो जनरल पोलिसी थी वह पढ़कर बता दी इरीगे ान के मामले में, पवार के मामले में सरकार की जा जनरल पोलिसी थी वह भी दे दी। हर पर्टिकुलर सवाल पर पर्टिकुलर जवाब ही दिया जात है। अन्य बातें तो आज तक नही हुई है और न हीह पहले इस तरह की परम्परा रही। स्वयं भजन लाल जी भी मुख्य मंत्री काफी समय तक रहे है। उनके टाइम में भी जो पर्टिकूलर प्र न आता था केवल उसी प्र न के ऊपर पर्टिकुलर जवाब आता हथा। उसी

हिसाब से तैयारी करके ही आते है। जनरल बात आएगी तो जनरल के हिसाब से ही जवाब आएगा। यह तो अध्यक्ष महोदय, आपकी फ्राखदिली है ओर मुख्य मंत्री जी की फ्राखदिली है। कि पोलिसी स्टेटमैंट भी इनके सामने रखा दी। इसके बाजवजर भी इनको एतराज है तो उसका तो कोई हल नही है। अध्यक्ष महोदय, आपे सामने मैम्बर्ज खुद बजट पर बोल कर गये हैं और अब ये कह रहे है कि बजट पर बोलने का मौका नही मिला। यहा बात तो सत्य से परे की बातें है। मै आपके माध्यम से विपक्ष के नेता से निवेदन करूंगा कि कम से कम वे यहां तो अपनीपार्टी के एम0एल0एज0 को बांध कर रेख।। बाहर चाहे ये कितना ही लड़े इनके दो नेता हो या तीन लेता हो, हमें कोई एतराज नही है। (ाोर) लेकिन यहां पर तो ये डिसिप्लिन में रहे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक ट्रेनिग कैम्प की बात है तो मै आपसे निवेदन करूंगा कि आप अपने सौजन्य से ये कैम्प आयोजित कराये उसमें चाहे पालियामैंट के स्पीकर या दूसरे सदस्यों को बुला लें। (ाोर)

एक आवाजः आप अपने वालों को तो डिसिप्लिन में रख लों। (ाोर)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि हमारे तो सारे के सारे सदस्य डिसिप्लिन्ड है। (ाोर) हमरे जब लीडर खड़े हतो है और इ ाारा भी करते है तो उस इ ाारे पर एक–एक मैम्बर कुर्बानी देने के लिए तैयार रहता है। हम आप लोगों की तरफ नही है। (ाोर)

अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से इन्हाने यहां हालत पैदा किये है अपोजी ान पार्टी के दो–दो मैम्बर्ज आपके आसन के पास आ कर खड़े हो जाते। और विपक्ष नेता अपनी तरह से खुद उनको समझाने आ रहे है। यह तो मै इनका बड़प्पन मानता हूं कि इतने जूनियतर मैम्बरों को ये उठकर समझाने आ रहे है ताकि हाउस का डैकोरम बना रहे। इसके लिए मै उनका स्वागत करता हूं। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, विपक्ष के नेता इनकी पार्टी के ही है और कम से कम अपनी पार्टी के नेता में तो इन लोगो को वि वास रखना चाहिए। इसलिए मै आपके माध्यम से इन लोगों से अनुरोध करूंगा कि हाउस का डैकोरम बनाएं रखे तो अच्छा रहेगा। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, आज असैम्बली का लास्ट दिन है ओर जो सौहार्दपूर्ण वातारण बना रहा हैं वही सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे तो अच्दी बात है। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, इनकी मजबूरी को हम समझते है। (ाोर)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै कुछ कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठिए। सारी बाते हो गई है। (ाोर)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि इसमे मैम्बरो का क्या दोश है? (ाोर)

श्री अध्यक्षः जब आपके मैम्बर उठ–उठ कर यहां ओ रहे है तो इसमें आपको मैम्बरों का नही तो और किस का दोश है।

श्री भजन लालः सर मैम्बर जह हाउस में बैठे हुए है अगर कोई क्वै चर आता है तो मैम्बर सवाल तो पूछ सकते हैं सदन के नेता या मंत्री जी के पास अगर उसका जवाब नही है तो वे इतने ही कह सकते है कि यह बात इस क्वै चन से रिलेटिड नही है। नही तो, सदन के नेता को जरूर जबवा देना चाहिए।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, मैने खुद कहां है कि क्वै चन से संबधित बात नही हैं भाायद आपने सुना नही क्योंकि आपका ध्यान अपने सदस्यों को मनाने में था।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सदन के नता के पास पूरी जानकारी होनी चाहिए। जो क्वै चर से जुउी हुई बात ने हो उसका जवाब देना चाहते है तो दें लेकिन सरकार परहम दबाव नही डाल सकते कि वे हर हालत में जवाब दें। हमारे लिये यह कहना मुनासिब भी नही है। लेकिन बार–बार इस तरह के लम्बे भाशण जो दिये जाते है उनका कोई लाभ नही है। (ाोर) मै तो कही कर रहा हूं कि नेय मैम्बरों के लिए आप भी क्लासिज लाग लें ओर हम भी लगा लेगे। (ाोर)

स्थगन प्रस्ताव की सूचना

श्री अध्यक्षः श्री कर्ण सिंह दलाल, आप आपना ध्यानाकर्शण प्रस्ताव पढ़े।

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, मैने आपको भी ओम प्रका ा चौआला के खिलाफ एक एडजर्नमैंट मो ान दिया है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः अपने कालिग अटैं ान मो ान पर बोलना है या नही,मैने आपको कालिग अटै ान मो ान पर बोलने के लिए खड़ा किया हैं

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, मै इसे पढ़ाना चाहता हूं। लेकिन सदन के नेता श्री ओम प्रका ा चाटाला के खिलाफ मनै जो एडजर्नमैंअ मो ा दिन ळो पहले मै उसके बारे में कुछ कहना चाहता हूं। (ोर)

श्री अध्यक्षः नही, आपना कालिग अटै ान मो ान पढ़ें। (ाोर) मैने जो बोल दिया है आप उसके मुताबिक करें।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैने जो एडजर्नमैंट मो ान दिया है.....

वित्त मंत्री (श्री संपत सिंह): स्पीकर सर, जो आपकी इजाजत के बगैर बोला जा रहाहै वह रिकार्डन नही किया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, श्री ओम प्रका ा चौटाला के खिलाफ एक एफ0आई0आर0 नं0 34 दिनांक 21.01.97 दर्ज है, मैने उसे गिरे में एडजर्नमैंट मो ान दिया है..... (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप सिर्फ मो ान पर ही बोलिए।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, पहले मैने एडजर्नमैंट मो ान दिया है पहले मै। उस पर बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आपका एडजमैंट मो ान अभी मेरे पास आया है,वह विचारधीन है। उसको हम एग्जामिन कर रहे है, उसके बारे में बाद में बोलना। पहले आप कांलिग अटै ान मो ान पढ़िए।

ग्राम एवं नगर आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): स्पीकर सर, जो चीज पहले एडमिट होती है, उसी पर चर्चा होनी चाहिए। इनका कांलिग अटै ान मो ान पहले एडमिट हुआ है इसलिए पहले उसी पर चर्चा होनी चाहिए। (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, मैने एक एडजर्नमैंट मो ान दिया है * * * * (ाोर)

श्री अध्यक्षः ये जो कुछ भी कर रहे है। वह रिकार्ड न किया जाए। आप केवल काल अटै ान मो ान पर ही बोलिए। अगर आप नही मानते तो मै अगला आईटम लेता हूं।

वाक आउट

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, आप मुझे एडजर्नमैंट मो ान पर बोलने नही दे रहै, इसलिए में सदन से वाक आउट करता हूं।

(इस समय रिपब्लिकन पार्टी आफ इडिया के सदस्य श्री कर्ण सिंह दलला सदन से वाक आउट कर गए)

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 15.

Finance Minister (Sh. Sampat Singh) Sir, I beg to move—

That the proceeding on the item of business fixed for today, be exempted at this day's sitting form the provisions of the Rule "Sittings of the Assembly' definitely.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the proceeding on the item of business fixed for today, be exempted at this day's sitting form the provisions of the Rule "Sittings of the Assembly' indefinitely.

Mr. Speaker: Question is—

That the proceeding on the item of business fixed for today, be exempted at this day's sitting form the provisions of the Rule "Sittings of the Assembly' indefinitely

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the Motion under Rule 16.

Finance Minister (Sh. Sampat Singh): Sir, I beg to move—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine die.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine die.

Mr. Speaker: Question is—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine die.

The motion was carried.

सदन की मेज पर रखे गए कागज–पत्र

Mr. Speaker: Now, a Minister will lay papers on the Table of the House.

Finance Minister (Sh. Sampat Singh): Sir, I beg to lay on the table—

The Grant Utilization Certificate and audit Report for the year 1997-98 of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar as required under Section 34(5) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970

The Annual Report of the Haryana State Industrial Development Corporation Limited for the year 1998-99 as required under Section 619-A (3) of the Companies Act, 1951.

The Audit Report on the Accounts of Haryana Financial Corporation of three-year 1997-98 as required under Section 37(7) of the state Financial corporation Act, 1951

The Finance Account of the Government of Haryana of the year 1998-99 in pursuance of the provision of clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Appropriation Accounts of the Government of Haryana for the year 1988-99 in pursuance of the provision of clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 2000, No. 1 (Revenue Receipt) of the Government of Haryana in pursuance of the provision of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

विधान–कार्य

1. दि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (नं0 1) बिल, 2000

Mr. Spealer: Now the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriaton (No. 1) Bill, 2000 and also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Sh. Sampat Singh): Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 2000.

I also beg to move—

That the Haryaa Appropriation (No. 1) Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker: Motion moved-

That the Haryaa Appropriation (No. 1) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryaa Appropriation (No. 1) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill

The motion was carreid

Clause-3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The motion was carred.

Schedule

Mr. Speaker: Question is-

That Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker: Question is-

That clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting formula

Mr. Speaker: Question is—

That Enacting formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carred.

Title

Mr. Speaker: Queston is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finace Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Sh. Sampat Singh: Sir, I beg to move—

That the Bill passed.

Mr. Speaker: Moton moved—

That the Bill be passed.

श्री इन्द्रजीत सिंह (जाटूसाना): अध्यक्ष महोदय, मै प्वायंट ऑफ आर्डर पर खड़ा हुआ था। स्पीकर सर, मै यह कहना चाहता हूं कि पूरा हाउस आपकी इज्जत करता है तथा आपसे यह उम्मीद भी रखता है। कि आप निश्पक्ष होकर हाउस की प्रोसीडिंग्ज की चालएंगे। जो कॉलिग अटै ान मो ान्ज आई है उनकी बाबत मैं आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा जो कॉलिग अटैं ान मो ान या एडजर्नमैंट मो ान आए तो सदन केसदस्य आपसे उम्मीद करते हैं कि उस परआपने क्या फैसला लिया है वह बताया जाए। आपने कर्ण सिंह दलाल की एडर्नमैंट मो ान को रिजैक्ट कर दिया उस पर किसी को कोई आपत्ति नही है लेकिन आपने सह नही बताया कि उसको रिजैक्टर क्यों किया।

श्री अध्यक्ष: वह रिजैक्ट नही की हैं उसमें मैने यह कहा कि वह विचारधनी है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री इन्द्रजीत सिंह: अध्यक्ष महोदय, परम्परा के अनुसार हाउस चालता है। पुरानी नीतियों के अनुसारहाउस चलता है। पुरानी प्रथा यह रही हैं कि जब भी कोई मो ान रिजैक्टर किया जाता है। तो उसका यहां पर कारण बताया जाता है। आप यहां पर कह देते है कि हमने आपकी एडर्जमैंट मो ान रिजैक्ट कर दी है। कर्ण सिंह दलाल की एडजर्नमैंट मो ान रिजैक्ट कर दी हैं यह क्यों की है यह जानने के लिए खड़े हुए है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष महोदय, जब मै बता रहा था तो आप लोगों ने भाोर मचा दिय। आपने सुना ही नही। वह रिजैक्ट नही की वह एग्जामिनकर रहे हे। एक काल टैं ान लगाने का मतलब यह नही कि आप बीसियों पर बोलें।

श्री सम्पत सिहः अध्यक्षह महोदय, अपने क्लीयर कर दिया था। ये तो यहां पर जो मं ाा बना कर आए थे उसी मं ाा के हिसाब से यहां पर सब कुछ कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, मैने एप्रोप्रिए ान बिल पास करने के लिए मो ान मूव किया हुआ है। आप उसको पास करें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुने। आप हमें सुन ही नही रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मेरी भाराफत का यह मतलब नही आप यो ही बोलते रहे। आपको एक काल अटैं ान मो ान पर बोलने का मौका मिला तो इसका मतलब यह नही कि आप आप बीसियों पर बोले। आप मेरे अधिकरों को देखा मै इनका इस्तेमाल नही कर रहा हूं। आप पिछली प्रथा को भी देखे उस वक्त क्या हुआ करता था। आप सब बैठ जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुने।

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill passed

The motion was carried.

2. हरियाणा एप्रोप्रिए ानं (नं0 2) बिल, 2000

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 2000 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Sh. Sampat Singh:) Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 2000.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker; Question is-

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is-

That clause-2 stand part of the Bill

The motion was carried

Clause-3

Mr. Speaker: Question is-

That clause-3 stand part of the Bill

The motion was carried

Schedule

Mr. Speaker: Question is-

That Schedule be the Schedule of the Bill

The motion was carried

Clause-1

Mr. Speaker: Question is-

That clause-1 stands part of the Bill

The motion was carried

Enacting Formula

Mr. speaker: Question-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Questions-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Sh. Sampat Singh): Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

3 दि हरियाणा पंचायती राज (अमैंटमैंट) बिल, 2000

Mr. Speaker: Now the Chief Minister will introduce the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill, 2000 and will also move the motion for its consideration.

Chief Minister (Sh. Om Parkash Chautal): Sir, I beg to introduce the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill, 2000.

Sir, I also beg to move-

That the Haryan Panchayati Raj (Amendment) Bill be taken into consideration.

श्री भजन लाल (आदमपुर): अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बिल के बारे में एक मिनट बोलना है। सरकार पंचायती राज मं इस बिल के माध्यम से अमैंडमैंट ला रही है। लेकिन इससे पहले कम से कम इनकों इस बिल की थोड़ी भूमिका तो हाउस को बतानी चाहिए कि इस बिल का हाउस में लाने का मकसद कया है, क्या सरकार यह बिली ला रही है? ये सारी बातें इनको हाउस को बतानी चाहिए।

वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिह): स्पीकर सर यह बिल तो कल ही हाउस में सर्कुलेट कर दिया गया था अभी तक तो ये राज में ही रहे है पहलीबार इनकों अपोजी ान में आने का मौका मिला हैं अगर आप इस बार तैयारी करके नही आए तो कोई बात नही हमें उम्मीद है कि आप अगली बार तैयार करके आएंगे।

श्री इन्द्रजीत सिंह: अगर हम तैयारी करके नही आए है तो क्या आप तैयारी करके आए है। अगर आप तैयारी करके आए भी है तो आप ही इस बारेमें हमें बात दें।

श्री सम्पत सिह: स्पीकर सर, ये इन बिल्ज को बारे में पढ़ कर तो आते नही है। फिर भी अगर इनके दिमाग में कोई सवाल इस अमैडमैंट से संबंधित है या कोई भांका है तो ये यहां पर पूछ सकते है। ये पूछे ताक सही परन्तु ये इसको पढ़कर ही नही आए हैं आपको इसको पढ? कर आना चाहिए था। (विध्न)

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill be taken into considration at once.

The motion was carred.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause-2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr.Speaker: Qeuston is-

The motion was carried

Clause-1

Mr.Speaker: Question is-

The Clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Forumla of the Bill.

The Motion was carred.

Title

Mr.Speaker: Queston is-

That Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Chief Minister will move that the Bill be passed.

Chief Minister (Sh. Om Parkash Chautala): Sir I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Questonis

That the Bill be passed.

The motion was carried.

4. दि हरियाणा म्यूनिसिपल कारपोरे ान (अमैडमैंट) बिल, 2000

Mr speaker: Now, the Minister of state for Local Government will introduce the Haryana Municipal Corporaton (Amendment) Bill, 2000 an will also move the motion for its consideraton.

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (श्री सुभाश चन्द्र): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मै हरियाणा नगर निगम (सं ाोधन) विधेयक 2000 प्रस्तुत करता हूं।

मै यह भी प्रस्ताव करता हूं–

दि हरियाणा नगर निगम (सं ाोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker; Question is-

That the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is-

That clause-2 stand part of the Bill

The motion was carried

Clause-3

Mr. Speaker: Question is-

That clause-3 stand part of the Bill

The motion was carried

Clause-1

Mr. Speaker: Question is-

That clause-1 stands part of the Bill

The motion was carried

Schedule

Mr. Speaker: Question is-

That Schedule be the Schedule of the Bill

The motion was carried

Clause-1

Mr. Speaker: Question is-

That clause-1 stands part of the Bill

The motion was carried

Enacting Formula

Mr. speaker: Question-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Questions-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

स्थानीय भाासन मंत्री (श्री सुभाश चन्द्र): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करता हूं–

कि विधेयक पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Bill be passed.

श्री इन्द्रजीत सिंह (जाटूसाना): अध्यक्ष महोदय, नगर निगम काक बिल लायागया है। और पास करवासा जा रहा हैं इनके इलैक्ट ान दिसम्बर में होने चाहिए थे अब जाकर के मार्च के अन्दरहोने लग रहे है। इस पर केकवल इतना ही कहना चाहता हूं कि इसे हमकों पास तो करना पडद्येगा अज्ञेर पोस्ट डेटिड करना पडेगा लेकिन कारण जरूर हाउस केसामने आना चाहिए। नगर पालिका के चुनाव, पंचायतों के चुनाव और जिला परिशदों के चुनाव और जिला परिशदों के नुचान वधिान सभीा चुनाव से पहले नही होने चाहिए, इस प्रकार का प्रयास सरकार की तरफ से किया गया था क्योंकि चुनावों से हपले मानीय मुख्यमंत्री महोदय

की सरकार इस प्रदे ा में कार्यरत थी इसलिएये जानते थे कि अगर पंचायतों के चुनाव विधान सभा के चुनाव से पहले हो गये तो वर्तमान सरकार की सरकार भाायद नही बन सकती थी ठसलिए कान्टीच्यू ान ओबलिगे ान को इन्होनें नजर अंदाज किया । इनकी इस बात को सारे प्रदे ा में खासा रोश है। और कांग्रेस पार्टी इनकी इसनीति के ऊपर रोश प्रकट करती है।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मै राव इंदजीत सिंह जी की जारकरी के बताना चाहूंगा। इकनी यह बात तो ठीक है कि पंचायतों के चुनाव ओर जिला परिशदों के चुनाव विधान सभा के चुनाव से पहले होने चाहिए थे। लेकिन किसी वयक्ति ने हाईकोर्ट में एक अपीलज दाय कर दी थी इसलिए पंजाब ओर हरियाणा के कोर्ट ने उस अपील के आधार पर चुनावों को जून तक स्थगित कर दिया था। उसके बाद कांग्रेस पार्टी के सएक सदस्य ने हाईकोर्ट के फैसलो के आधार पर ही इन चुनावों की तरखी तय की गई। राव इंदजीत सिंह को ज्ञान तो सब बातों का है। इनकी पार्टी न तो प्रयासकिया था विधान सभा के चुनावों से पहले कुछ बखेड़ाहो लेकिन कोर्ट ने तो इनकी बात को नही माना।

श्री इन्दजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की उपलब्धि को तो हम मान है कि वर्तमान सरकार विकधान सभा के चुनावों से पहले पंचायतों के चुनाव होने दिए। (विध्न)

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

5. दि हरियाणा म्यूनिसिपल कारपोरे ान (अमैडमैंट) बिल, 2000

Mr speaker: Now, the Minister of state for Local Government will introduce the Haryana Municipal Corporaton (Amendment) Bill, 2000 an will also move the motion for its consideraton.

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (श्री सुभाश चन्द्र): अध्यक्ष महोदय, मै हरियाणा नगर निगम पालिका (सं ाोधन) विधेयक 2000 प्रस्तुत करता हूं।

मै यह भी प्रस्ताव करता हूं–

दि हरियाणा नगरपालिका (सं ाोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker; Question is-

That the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is-

That clause-2 stand part of the Bill

The motion was carried

Clause-3

Mr. Speaker: Question is-

That clause-3 stand part of the Bill

The motion was carried

Clause-1

Mr. Speaker: Question is-

That clause-1 stands part of the Bill

The motion was carried

Clause-1

Mr. Speaker: Question is-

That clause-1 stands part of the Bill

The motion was carried

Enacting Formula

Mr. speaker: Question-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Questions-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (श्री सुभाश चन्द): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करता हूं–

कि विधेयक पारित किया जाए।

Mr Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr.Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

6. दि पजांब आयुर्वेदिक एंड यूनानी प्रैक्टी ानर्ज (हरियाणा अमैंटडमैंट एवं वैलीडे ान) बिल, 2000

Mr. Speaker: Now the Minister of State for Healht iwll introudce the Pubjab Ayrvedic and Unani Practiones (Haryana amendument an dValidation) Bill 2000 and will aslow move the motion for its consideration

स्वास्थ्य राज मंत्री (श्री मुनि लाल रंगा): अध्यक्ष महोदय, मै पंजाब आयुर्वेदिक तथा यूनानी चिकित्सा व्यवसायी (हरियाणा सं ाोधन तथा विधिमान्यकरण) विधेयक, 2000 प्रस्तुत करता हूं।

मै यह भी प्रस्ताव करता हू–

कि पंजाब आयुर्वेदिक तथा यूनानी चिकित्सा व्यावसायी (हरियाणा सं ाोधन तथ विधिमान्यकरण) विधेयक पर तुरन्त विचयार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Punjab Ayuredic and Unani Practitiones (Harya (Amendment and Validation) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker; Question is-

That the Punjab Ayuredic and Unani Practitiones (Harya (Amendment and Validation) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is-

That clause-2 stand part of the Bill

The motion was carried

Clause-3

Mr. Speaker: Question is-

That clause-3 stand part of the Bill

Clause-4

Mr. Speaker: Question is-

That clause-4 stand part of the Bill

The motion was carried

Clause-1

Mr. Speaker: Question is-

That clause-1 stands part of the Bill

The motion was carried

Enacting Formula

Mr. speaker: Question-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That clause-1 stands part of the Bill

The motion was carried

Title

Mr. Speaker: Questions-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the Minister of state for Health will move that the Bill be passed.

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्री मुनि लाल रंगा): आदरणीय अध्यक्ष मै प्रस्ताव करता हू।

कि विधेयक पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That bill be passed.

Mr. Speaker: Question si-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

7. दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (अमैडमैंट) बिल, 2000

Mr. Speaker: Now, the Chief Minster will introduce the Haryana general Sales Tax (Amendment) Bill, 2000.

Chief Minister (Sh. Om Parkash Chautla): Sir, I beg to introduce the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 2000.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill be taken into consideraton at once.

Mr. Speaker: Question-

That the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill be taken into consideraton at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is-

That clause-2 stand part of the Bill

The motion was carried

Clause-3

Mr. Speaker: Question is-

That clause-3 stand part of the Bill

Clause-4

Mr. Speaker: Question is-

That clause-4 stand part of the Bill

The motion was carried

Chief Minister (Sh. Om Parkash Chautala): Sir, I beg to move—

That theproposed sub-clause(v) clause be omitted.

Mr. Speaker: Motion moved-

That theproposed sub-clause(v) clause be omitted.

Mr. Speaker: Question-

That theproposed sub-clause(v) clause be omitted.

The motion was carried.

Clause-5

Mr. Speaker: Question is-

That clause-5 stands part of the Bill

The motion was carried

Clause-1

Mr. Speaker: Question is-

That clause-1 stands part of the Bill

The motion was carried

Enacting Formula

Mr. speaker: Question-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That clause-1 stands part of the Bill

The motion was carried

Title

Mr. Speaker: Questions-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the Chief Minister will move that the Bill be passed.

Chief Minister (Sh. Om Parkash Chautala) : Sir, I beg to move—

That the Bill, as amended,be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill, as amended, be passed.

Mr. Speaker: Queston is-

That the Bill, as amended, be passed.

The motion was carried.

8. दि इंडियन स्टैम्प (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 2000

Mr. Speaker: Now, the Revenue Ministerwill introduce the Indian Stamp (Haryana Amendemnet) Bill, 2000 and will also move the motion for its consideration.

ग्राम एवं नगर आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मै भारतीय स्टैम्प (हरियाणा सं ाोधन) विधेयक, 2000 प्रस्तुत करता हूं।

मै यह भी प्रस्ताव करता हूं–

कि भारतीय स्टैम्प (हरियाणा सं ाोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Indian Stamp (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

श्री इन्द्रजीत सिंह (जाटुसाना): अध्यक्ष महोदय, राजस्व मंत्री जी ने जो बिल इन्ट्रोडूस किया हैं उसके ओब्जैक्ट में लिखा है कि–

"Release Deed" is being mis-used by Co-owners, Co-Shares etc. for renouning their interes, share, part or claim in favour of another co-owner, co-share etc, by paying stamp duty of Rs. 15/- only against "Release Deed" instead of "Conveyance Deed".....

इस बिल में 15/– रूपये की स्टैम्प डयूटी लगाकर अपने इन्ट्रैस्ट को पार्टनर या किसी को भोयर को देने जा रहे है।

इसमें दो क्लॉलिज है। ए–क्लॉज में तो अपनी प्रौपर्टी का हिस्सा खून के रि तेदार को देने की बात है। इसमें तो 15/– रूपये स्टैम्प डयूटी सीमित रखी है। यह अच्छी बात है। लेकिन जो दूसरी क्लॉज है जिसमें को भोयर की बात है। जैसे कई को भोयरर हो जात `हैं जिनमें खून का रि ता नही हो उनके लिए कंविस डीड के तहत ज्यादा पैसे लेने की सकरार ने तजबी की हैं मै यह कहना चाहता हूं कि कई बाद पार्टनि ाप की जाती है तो एक आदमी के पास प्रौपर्टी खरीदेने के लिए इकट्ठा पैसा नही हो सकता और 4–5 लोग इकट्ठै मिलकर एक खरीद लेते है। इसके बाद 1 साल, 2 साल या पांच साल के बाद उन लोगों में आपस में झगड़ा भ्ाुय हो जात हैं तो उस स्थिति में कोईआदमी यह सोचता है कि यह तो घाटे का सौदा है आर यह महसूस करता है कि अपनी चीज दूसरे को रिलीज कर दूं ओर वह कंविस डीड द्वारा अपने हिस्सेदार का रिलीज कर देता है ताक कम से कम झगड़ेबाजी से तो बचा जाएगा और लट्ठ तो नही बजेगा। अध्यक्ष महोदय, मै मानता हूं कि सरकार की आज के दिन वित्तीय सिथति अच्छी नही है लेकिन कंविंस डीड को रिलीज करना पड़ेगा तो वह भाययद रिलीज न करें। इसलिज जो काम 15 रूपये देकर ही जाता था वह झगडेबाजी तक चला जाएगा। जैसा कि पहले से लोग कह भी रहे थे मिसयेज करके लोग 15/– रूपये फीस देकर अपनी डीड दे देते थे। मै यह कहना चाहता हूं कि अगर कोई आदमी किसी प्रोपटी में हिस्सेदार होने के बाद पांच–सात साल तक पार्टनि ाप निभाने की कोि ा करें और उसके बाद न निभा

पाए तो दूसरे स्सिेदार को अगर वह रिलीज करना चाहते उसे करने दीजिए। अगर सरकार उसको जबरदस्ती उसी दायरे के अन्दर बांधे रखेगी तो उसका परियाााम यह होगा कि थोड़े दिन के बाद तनाव बढ़ते–बढ़ते फौजदारी झगड़े हो जाएंगे, पुलिस का प्रबन्ध करना पड़ेगा। इससे बढ़िया तो यह है कि 'बी' क्लाज को डिलीट कर दें। वरना मै समझता हू कि तरह के बिल को लाना नही चाहिए। इससे हमारे प्रांत में झगड़े बाजी होगी मै इस बिल को अपोज करता हूं।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने इस बिल की मं ाा को नही देखा। वर्तमान सरकार ने लोगो ंकी भावनाओं को देखते हुए यह सं ाोधन प्रस्तत किया और हाउस के सामन लेकरआये हैं इसमे साफ लिखा हुआ है ंकि जहां खून का रि ता है उनको एग्जैम्अ किया हुआ हैं इसके अलावा पैतृत सम्पति को भी छूट दी हुई है। इसके विपरीत माननीय सदस्य यह कह रहे है कि दो हिस्सेदार है या 4 हिस्सेदार है उनमें दो महीने बाद झगड़ा हो जाएगा। यह हो जाएगा, वह हो जाएगा। इसमें कम से कम चह चीज तो क्ल्यीर आएगी कि कोन बोगस फर्मे चला रहा हैं और कौन कया कर रहाहैं इस सं ाोधन के क्ष्द्वारा सच्चाई सामने आएगी। कोई झगड़ऋे नही हो रहे है बल्कि झगड़े कम हो रहे हे। अगर कोई अपना भोयर दूसरी पार्टी को देगा तो उसकी तसवीर भी सामने आएगी। मैआपके द्वारा सोर हाउस से यह विनती करता हूं कि इस सं ाोधन द्वारा सरकार की

मं ाा प्रदे ा के लोगों के विाकस की है। इससे लोगां ने भाईचारा कायम रहेगा। अच्छी परम्परा बनेगी। अध्यक्ष महोदय उधर के लोग तो दो नम्बर के काम को बढ़ावा देना चाहते हैं जबकि हम तो यह चाहते है कि लोगों में इससे भाईचारा कायम हो।

वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिह): अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने डिटेल में बात दिया है फिर भी भाायद ये लोग समझ नही पाये। मै क्लीयर कर देता हूं। यें कह रहे है। कि हम अमैण्डमैन्ट करने जा रहे हे। हम तो उल्आ लोगों को रिलीफ दे रहे है। अध्यक्ष महोदय, दो बातें है एक तो को–पार्टनर या को ोयरर की बात है। और दूसरी बात को–पार्टनर के बारे में कह रह थे।। ये पढ़े–लिखे और सियाणे आदमी है, अच्दे जमीदार भी है इसलिए इनको आपके माध्यम से मै बातना चाहता हूं कि मान लो अगर 4 लोगों ने प्रोपर्टी खरीद ली तो उसमें मिसयूज का तारीका यह होता है जैसे कि किसी के पास 18 एकड जमीन है और दूसरा उसे खरीदना वाहत है तो वह पहले एक कनाल मीन खरीद लेगा। इस तरह से को–पार्टनर बन गया। उसके बाद यदि उसकी मं ाा सारी जमीन खरीदने की थी तो ओलनी आगेस्ट रिलीज डीड वह सारी जमीन अपने नाम कर लेगा। इसका मतलब है कि उसको स्टैप्त डयूटी देने की जरूरत नही हैं अगर ऐसा ही होता रहेगातो रजिस्ट्रियां ही बन्द हो जाएंगी। चौधरी बंसी लाल जीने तो अपने टाईम में कानून पास कर दिया कि अगर ब्लड रिले ांज में भी किसी ने जमीन खरीदनी हैं तो वह भी रजिस्ट्रियां करवाओं

बंसीलाल जी नते तो खून के रि तो ंको भी बख्भाा। आप जतने है कि खून के रि ते 4–4 व 5–5 पीढ़ियों तक निकल जाती है और उनकी जमीन सांझे में चलती रहती है। अब उनको भी रिलीफ दिया है कि वह भी अपना ोयर आपस में किस के नाम करवाना चाहते तो करवा सकते हैं इनको तो इस बिल को एप्रि ियट करना चाहिए। जिस बात को हम डिलीट करने जा रहे है। क्या आप इस डिलि ान के अगेस्ट है। अमैंडमैंट केवल इनता है। कि We want to detete this is all.

श्री इन्द्रजीत सिंहः स्पीकर साहब, एफ0एम0 साहिब ने एक उदाहरण दे करके इस बिल को क्लैरीफाई करने का प्रयास किया हैं जो सिनैरियों इन्होने बताया मै भी इनको एक नैरियां बताना चाहता हूं कि किसी व्यक्ति से 18 एकड़ जमीन 4 आदमी इकटठे होकर को खरीदना चाहते तो जो मालिक हैं वह कहता है किमै तो 18 की 18 एकड़ जमीन एक मु त बेचूगा, इसके चार हिस्से करके नही बेंचूंगा। उनमें से एक आदमी क`पास उस वयिक्त की सारी जमीन लेने के लिए पैसे नही थे तो फिर 4 आदमियों ने मिलकर उस जमीनको खरीद लिया जबकि वे आपसे में रि तेदार नही है। एक साल, रो साल यो 10 साल के बाद उनके बची में झगड़ेबाजी भाुरू हो गई। एक कहता है कि आज से 10 साल पहले जो पैसा मैने लगाया है तो उसी भाव के मुताबिक में अपना भोयर उनको सरेन्डर करके एक चौथाई अपना भोयर देना चाहता हूं (विध्न)

श्री धीरपाल सिंहः हम यह सं ाोधन नही कर हे। यह तो आलरेडी बिल में प्रोवीजन हैं इसमें जो सं ाोधन किया गया है उसमें यह है कि जो खून का रि ता है जिनकी पैतृक सम्पति है, उस पर भी चौधरी बंसी लाल जी के समय में फीस लगती थ। हम चौधरी ओम प्रका ा चोटाल जी के निर्दे ा की पालना करते हुए उसमें सं ाोधनकर रहे है। और जो गलत काम श्री बंसी लाल जी के समयमें हुए थे वर्तमान सरार ने उनको ठीक करने का प्रयत्न किया हैं राव साहबा, इसमें तो हमने यह छूट दी हैं दिक्कत यह रही है कि सीनियर मोस्ट होने के बावजूद भी आप वहां तक नही पहुंच पाये जहा तक आपकों पहुचान चाहिए था।

श्री इन्द्रजीत सिंहः ब्लड रिले ान को आप रिलीफ दे रहे है मै इसकी सराहना करता हूं। मुझे तो इस बिल के बी–सैक ान पर आपत्ति है।

श्री धीरपाल सिंहः वह तो पहले से ही कन्टीन्यू हैं

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): हमने तो इसमें सं ाोधन करके थोड़ा और आगे कर दिया है कि बुआ की जायदार भतीजा भी ले सकता है। और नानी की जायदान उसका दोहता भी ले सकता हैं हने तो इसे और ज्यादा सरल कर दिया।

Mr. Speaker: Question is-

That the Indian Stamp (Haryana Amendment) Bill be taken inkto consideraton at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is-

That clause-2 stand part of the Bill

The motion was carried

Clause-1

Mr. Speaker: Question is-

That clause-1 stands part of the Bill

The motion was carried

Enacting Formula

Mr. speaker: Question-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That clause-1 stands part of the Bill

The motion was carried

Title

Mr. Speaker: Questions-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the Revenue Minister will move that the Bill be passed.

ग्राम एवं नगर आयेाजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): सर, मै प्रस्ताव करता हूं–

कि बिल पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

धन्यवाद देना

मुख्य मंत्री (चौधरी ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम मैं आपका आभार व्यक्त करूंगा कि आपने बहुत ही अच्दें माहौल में इस हाउस को चलाया और बहुत फिराखदिली दिखाई विधान सीाा के सभी सम्मानित सदस्यों को भी मै आभार व्यक्त करता हूं कि बहुत ही अच्दे माहौल में हमारा यह बजट अधिवे ान सदस्यों का भी मै आभारव्यकत करता हू कि अबहुत ही

अच्दे माहौल में हमारा यह बजट अधिवे ान समाप्त हुआ है और इसके लिए सदन के विपक्ष के नेता भी बधाई के पात्र हैं यह बात ठीक हैं उनमें कुछसाथी बेकाबू हो जाते रहे है। (हंसी) लेकिन इनकी तरह से प्रयास जरूर हुआ हैं अध्यक्ष होदय, मै अधिकारीगण का भी आभार व्यक्त करूंगा कि उन्होन भी सदन के सदस्यों को सही सूचनाए उपलब्ध करवाई। इसके साथ ही मै श्रोताओं का भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होने बहुत ही अच्छे माहौल मे अच्छा वातावरण कायम करने की कोि ा ा की। मेरे एक फाजिल दोस्त वाक आउट करकेचले गए। उनकों चाहिए था कि यहां पर बैठे रहते और सारी बात को सुनते तो मै बहुत अच्छे ढंग से सारी बात बनाता। लेकिन सेदन की जाकारी के लिए मै बातना चाहूंगा कि मेरे विरूद्ध जिस एफ0आई0आर0 का जिक्र कियाजा रह था उसी की वजह से वे अपनी कालिंग अटै ान मो ान भी नही पढ़ पाए जो भाायद वे ज्यादा जरूरे समझते थे या नही समझते थे ओर ए और ही विशय को लेकर उन्होने चर्चा की। इसके माध्यम से उन्होने भाायद अखबारों की सुखियों में छपने वका प्रयास किया हो। जिस एफ0आई0आर का जिक्र किया गय तो मठ सबार में कहना चाहूंगा कि एफ0आई0आर0 तो कोई भी किसी के भी खिलाफ दर्ज करवा सकता हैं अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने कोई भे केस विदड्रा नही यिका । जिस केस को वे जिकर कर रह `है वे केस बाकायगी से कोर्ट मै। तय हुआहैं इस केस में पूरी तरह से इन्कवायरी करके उसको कोर्ट द्वारा खारिज किया गया है पता नही वे क्या बताना चाह रहे थे या क्या क्या कहना चाह रहे थे या

उनकी क्या मं ाा थी। अध्यक्ष महोदय, यह तो पुरानी सरार की प्रथा, चौधरी बंसी लाल की सरकार में इस प्रकार के केसिज विदड्रा हुए है। श्री कर्ण सिंह के खिलाफ भी ऐसे केसिज विदड्रा हुए हैं वे यहां से उठर चक चले गऐ है ओर अब तो अगनले सदन में ही हाउस में आ पाएंगे। जानबूझ कर कुछ लोग अच्छे माहौल में तलखी पैदा करने का प्रयास किया करत`हैं अध्यक्ष महोदय, मै आपका बहुत बहुत धन्यवाद आभार व्यक्त करता हूं और यह उम्मीद रखूंगा कि सदन की गरिमाको बरकार रखते हुए इसी प्रकार से आग्र के लिए हरियाणा प्रदे ास में बहुत अच्छे ट्रैडी ान्ज कायम करत रहेगे। आप सब को बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हम आपके बहुत ही आभारी है। कि आपने सै ान को बहुत ही भाानदार तरीके से चलाया। इस सै ान के बारे में मैं एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि सै ान का समय बहुत थोड़ा रखा गया है ंबजट सै ान कम से कम 15–20 दिउन का जरूर होना चाहिए। हो सकता हैं किस सरकार के सामन कुछ मजबूरिया ंहो लेकिन जो हाउस ने कर दिया सेा सही है लेकिन आइन्दा के लिए जरूर ध्यान रखा जाए कि बजट सै ान कम से कम तीन हफ्तें से कम नही होना चाहिए। 15 दिन से कम का बजट सै ान तो किसी भ्र राज में नही रहा चाहे वह चौधरी बंसी लाल जी का राज रहा हो चाहे भजन लाल का। यह जरूर कहूंगा कि अगले बजट सै ान 15 दिन से कम के रहें अध्यक्ष महोदय, दूसरे हम लीडर आफ दि हाउस के बड़े

आभारी है कि उन्होने डिप्टी स्पीकर के लिए गहलोत साहब का नाम चुना (विध्न) गहलोत साहब बहुत काबिल, समझदार सुलझे हुए और बढ़िया आदमी है उनको डिप्टी स्पीकर बनाने के लिए हम आपको बधाई देते हैं लेकिन एक बात मै इस बारें में यह कहूंगा कि अभी दो घण्टे से ज्यादा समय हाउय को चलते हुए हुए हो गया है, चेयर पर बिठाने कके लिए उन्हें समय नही दिया गया, कम से कम आधा समय तो उनको दिया जाना चाहिए था ताकि अखबारमें भी यह बात आ जाती कि डिप्टी स्पीकर साहब ने हाउस को को रिप्रजाईड ओवर किया और आगे के लिए भी उम्मीद करता हूं कि वे ऐसा ही करेगे। इसके साथ ही मै उनसे कहना चाहूंगा कि वे भविश्य में माइन्ड को थोड़ा कूल रखेगे क्योकि मुख्य मंत्री को माइन्ड कूल रखना पड़ता है। (विध्न) वे मीठा बोले ताकि सारा माहौल ठीक रह सके। आगे चल कर 6 महीने में सरकार की कारगुजारी देखेगे और ओर जो अच्दे काम सरकार करेगी उनके लिए हम सरकार की तारीफ भी करेगे। बहुत–बहुत भाुक्रिया।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः लीडर दि ओपीजी ान ने डिप्टी स्पीकर साहब के चयन की सराहना की मै उनका आभार व्यक्त करता हूं। अध्यक्ष महोदय, हम तो उस ट्रैडी ान को भी बरकार रखने का प्रयास कर रहे थे (विध्न) हमने तो तय कर लिया था कि कांग्रेस पार्टी के किसी सदस्य को डिप्टी स्पीकर बनने का अवसर दिया जाए। (विध्न) मैने आपकों जाने से पहले यह कहा था

कि डिप्टी स्पीकर साहब का चुनाव होना है। आप बैठिए। आप कूल तो रहते है लेकिन जब बगल में झांकते है तो आपको गुस्सा आ जाता हैं (हंसी) अध्यक्ष महोदय, मेरे से एक चूक हो गई। मै वि ोश तौर पर प्रैस का भी आभार प्रकट करता हूं जिन्होने अपनी कलम के माध्यम से यहां की बातों को बहुत अच्छे ढंग से जनता तक पहुंचाया। मै उम्मीद करता हूं कि प्रैस की भूमिका आगे भी ऐसी ही रहेगी ताकि जनतंत्र कायम रह सके। आप सबका बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, बजट सत्र मे ंसत्ता पक्ष के नेता और मैम्बर्ज, विपक्ष के नेता और मैम्बर्ज तथा सभी इन्डीपैडेट सदस्यो ंने सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए आपने बहुमूल्य सुझाव दिए इसके लिएमै आप सब का आभारी हूं। आज तक गवर्नर ऐड्रैस पर इस सदन में जितना समय हमने दिया है वह समय पहले कभी भी किसी सरकार के वक्त में नही दिया गया है। बजट पर भी बहुत से माननीय सदस्य बोले और पर्याप्त मात्रा में समय दिया गया हैं और सभी ने इसमें मुझे को–आप्रेट किया हैं इसके लिए मै धन्यवाद करता हूं मै अधिकारीगण और प्रैस के सदस्यों का भी आभारी हूं। यहां पर जो द र्कि ण थे उन्होने भी बड़े आराम से सदन की कार्यवाही को सुना हैं इसके लिए मै उनका भाुक्रगुजार हूं। यहां पर कई नये साथी आए है ओर उनको यहां के प्रोसीजर का पता नही था। उनको एजुकेट करने के लिए, उनके क्या–क्या अधिकार है। उनको समझाने के लिए हम

यहां पर एक ट्रैनिक कैम्प जल्दी ही लगाएंगे। अगर कोई मैम्ब्र जो दो तीन बार चुन कर आ चुका हो और सह भी यह ट्रेनिक कैम्प अटैंउ करना चाहता हो तो वह भी निसंकोच अपना नाम इसके लिए जब हम नाम मागेगो तो दे सकता हैं वह किसी प्रकार से हैजिटेट न करें। पढ़ाई कभी भी खत्म नही होती है। कभी भी पढ़ा जा सकता है। पढ़ता–पढ़ता आदमी बूछा भी हो जाता हैं अगर किसी को जो थोड़ी बहुत कमी नजर आई होगी मुझे उम्मीद है कि वह आईन्दा नही आएगी। मै एक बार फिर आप सब को आभार प्रकट करता हूं और सबाका धन्यवाद करता हूं।

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned sine-die.

11.30 Hrs.

(The Sabha then adjourned sine-die.)